चिल्का झील: ओडिशा

चिल्का झील में किये गए **जलपक्षी स्थिति सर्वेक्षण-2022** के अनुसार, लगभग 11 लाख जलपक्षी और आर्द्रभूमि पर निर्भर अन्य प्रजातियाँ इस झील की तरफ आईं।

- चिल्का झील भारतीय उपमहाद्वीप में स्थित सबसे बड़ी खारे पानी की झील और शीत ऋतु के दौरान पक्षियों के आगमन हेतु सबसे बड़ा स्थान है।

//

प्रमुख बिंदु

- **चिल्का झील के विषय में:**
  - चिल्का एशिया का सबसे बड़ा और विश्व का दूसरा सबसे बड़ा लैगून है।
  - शीतकाल के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करने वाला सबसे बड़ा मैदान होने के साथ ही यह पौधों और जानवरों की कई संकटग्रस्त प्रजातियों का निवास स्थान है।
  - वर्ष 1981 में चिल्का झील को रामसर कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व का पहला भारतीय आर्द्रभूमि नामित किया गया था।
  - चिल्का में प्रमुख आकर्षण इरावदी डॉल्फिन (Irrawaddy Dolphins) हैं जिन्हें अक्सर सातपाड़ा द्वीप के पास देखा जाता है।
  - लैगून क्षेत्र में लगभग 16 वर्ग किमी. में फैला नलबाना द्वीप (फारेस्ट ऑफ रीड्स) को वर्ष 1987 में पक्षी अभयारण्य घोषित किया गया था।
  - **कालिजाई मंदिर-** यह मंदिर चिल्का झील में एक द्वीप पर स्थित है।
  - चिल्का झील कैस्पियन सागर, बैकाल झील, अरल सागर, रूस के सुदूर हिस्सों, मंगोलिया के किर्गिज़ स्टेप्स, मध्य और दक्षिण-पूर्व एशिया, लद्दाख तथा हिमालय से हज़ारों मील दूर प्रवास करने वाले पक्षियों की मेज़बानी करती है।
  - यहाँ मौजूद विशाल मिट्टी के मैदान और प्रचुर मात्रा में मछली भंडार, पक्षियों के लिये उपयुक्त हैं।
- **भारत में प्रवासी प्रजातियाँ:**
  - भारत कई प्रवासी जानवरों और पक्षियों का अस्थायी निवास स्थान है।
  - इनमें **अमूर फाल्कन्स** (Amur Falcons), **बार-हेडेड गीज़** (Bar-Headed Geese), **ब्लैक-नेक्ड क्रेन** (Black-Necked Cranes), **मरीन टर्टल** (Marine Turtles), **डूगोंग** (Dugongs), **हंपबैक व्हेल** (Humpback Whales) आदि शामिल हैं।
  - भारत ने मध्य एशियाई फ्लाईवे (Central Asian Flyway) के तहत प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना (National Action Plan) भी शुरू की है क्योंकि भारत प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (Convention on Migratory Species-CMS) का एक पक्षकार है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chilika-lake-odisha